तृतीय अध्याय
शोध, प्रविधि

तृतीय अध्याय

इस अध्याय मे न्यादर्श का चयन, प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण का निर्माण एवं विकास व प्रशासन तथा आंकड़ो के विश्लेषण में प्रयुक्त सांख्यिकी का वर्णन किया गया है।

अनुसंधान कार्य में सही दिशा अग्रसर होने के लिए यह आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यवस्थित रूप रेखा हो।इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है।

इसे तभी उपयुक्त माना जा सकता है, जब यह संपूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधि हो। प्रतिदर्श जितने अधिक सुदृढ़ होंगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध,वैद्य व विश्वसनीय होंगे। इसके बाद उपकरण का चयन महत्वपूर्ण होता है जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है, एवं सांख्यिकी विधि के माध्यम से प्रदत्तों का विश्लेशण एवं व्याख्या की जाती है।

3.1 न्यादर्श का चयन

इस अध्ययन में न्यादर्श के लिए ग्वालियर के शहरी क्षेत्र में चल रही 280 आँगनवाड़ियों में से 60 ऐसी आँगनवाड़ी का चयन किया गया जो मलिन एवं गंदी श्रमिक बस्तियों में स्थित थी।

इन आँगनवाड़ियों में कार्यरत 60 कार्यकर्ताओं का चयन किया गया उपरोक्त 60 आँगनवाड़ी में अध्ययनरत बालकों के अभिभावकों में से 30 अभिभावकों को रेडंम्ली (लाटरी विधि) द्वारा चयनित किया गया।

अध्ययन में निरीक्षण हेतु मात्र 20 आँगनवाड़ी केंद्रों को चयनित किया गया जिसमें शोधकर्ता ने प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

3.2 न्यादर्श की विशेषताएं

1. सभी कार्यकर्ता प्रशिक्षित हैं।
2. सभी कार्यकर्ता 30 से 50 वर्ष की उम्र के हैं।

3. 47 कार्यकर्ता हायर सेकेण्डरी 10 स्नातक व 3 स्नातकोत्तर हैं।

4. सभी अभिभावक हितग्राही व अनौपचारिक शिक्षा के बच्चो से संबंधित हैं।

3.3 उपकरणों का निर्माण एवं विकास

शोध मे प्रदत्त संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा प्रश्नावली, साक्षात्कार अनुसूचित व निरीक्षण सूची का निर्माण एवं विकास किया गया जो निम्न सोपानों मे किया गया।

3.3.1 साहित्य अध्ययन

उपकरणों की उपयुक्तता के लिए शोधकर्ता द्वारा पूर्व में विषय से संबंधित किये गये विभिन्न शोधों का अध्ययन किया गया।

3.3.2 विशेषज्ञों से चर्चा

विभाग में विभिन्न विषयों का अध्यापन कराने वाले विशेषज्ञों से उपकरणों के बारे में चर्चा करके यह ज्ञात किया कि किस पक्ष से संबंधित प्रश्न लिये जा सकते हैं।

3.3.3 पर्यवेक्षकों व कार्यकर्ताओं से चर्चा

शोधकर्ता द्वारा पर्यवेक्षकों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की व उनसे आँगनवाड़ियों के संबंध में चर्चा की गई। जिससे प्रश्नों के निर्माण के लिए सहायता मिली।

3.3.4 क्षेत्र का निर्धारण

प्रश्नावली का निर्माण करते समय क्षेत्र का निर्धारण महत्वपूर्ण होता है। इसी के द्वारा शोधकार्य के उद्देश्यों की प्राप्ति में सफलता प्राप्त हो सकेगी। इस प्रकार विशेषज्ञों, पर्यवेक्षकों व साहित्य अध्ययन की सहायता से निम्न क्षेत्रों को चयन किया गया।–

1. पोषक आहार

2. स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण

3. अनौपचारिक शिक्षा

4. समन्वय व सेवा

5. मूलभूत संरचना

3.3.5 प्रथम प्रारूप तैयार करना

उपरोक्त क्षेत्रों के आधार पर प्रश्नावली, साक्षात्कार अनुसूची व निरीक्षण अनुसूची का निर्माण किया गया।

* प्रश्नावली

प्रश्नावली मिश्रित प्रश्नावली है जिसमें हां/नहीं, बहुविकल्पीय तथा ऐसे प्रश्न भी लिये गये जिनका उत्तर कार्यकर्ता स्वतंत्र रूप से दे सके।

प्रश्नावली में कुल 45 पद लिये गये जिन्हें पांच श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया :-

1. व्यक्तिगत जानकारी
2. पोषक आहार संबंधित जानकारी
3. स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण संबंधित जानकारी
4. अनौपचारिक शिक्षा संबंधित जानकारी
5. समन्वय व सेवा " "

प्रश्नावली में पहले 70 प्रश्नों को तैयार किया गया बाद में निर्देशक द्वारा छांटकर 45 प्रश्न रखे गये। प्रश्नावली में 17 प्रश्न हां/नहीं, 17 बहुविकल्पीय तथा 11 प्रश्न ऐसे हैं जिनका उत्तर कार्यकर्ता द्वारा स्वतंत्र रूप से दिया जा सके।

✦ साक्षात्कार सूची

आँगनवाड़ी में अनौपचारिक शिक्षा हेतु आ रहे बच्चों के अभिभावकों

के लिए साक्षात्कार सूची का निर्माण किया गया जिसमें उपरोक्त क्षेत्र के आधार पर ही प्रश्नों का निर्माण किया गया। साक्षात्कार सूची में 25 प्रश्न लिये गये।

✦ निरीक्षण सूची

आँगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के लिए निम्न बिंदु पर आधारित सूची तैयार की गई

1. उपस्थित बच्चों की संख्या
2. सुविधाएं
3. अभिलेख अपडेट
4. स्थान की पर्याप्तता
5. पोषक आहार भंडार
6. कार्यकर्ता की उपस्थिति

3.3.6 लघु न्यादर्श परीक्षण

शोध कार्य में प्रदत्त संकलन के लिए बनाई गई प्रश्नावली की उपयोगिता व वैधता को परीक्षण करने के लिए शोधकर्ता द्वारा लघु न्यादर्श संख्या 6 आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लिया गया। प्रश्नावली में जो कमियां पता लगी उन्हें सुधार कर ठीक किया गया।

3.4 प्रदत्त संकलन

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्त संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली, साक्षात्कार, एवं निरीक्षण सूची का प्रयोग किया गया, जो क्रमशः कार्यकर्ताओं, अभिभावकों एवं आँगनवाड़ी केन्द्रो के लिए तैयार किये गये थे।

न्यादर्श के सम्मिलित 60 आँगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं को पूर्व निर्धारित आँगनवाड़ी जो अन्य के नजदीक पड़ती थी, पर्यवेक्षकों के माध्यम से

11.00 बजे बुलाया गया। वहां सभी को बिठाकर अपने शोध के उद्देश्य स्पष्ट किये गये। उसके पश्चात प्रश्नावली वितरित की गई व 30 मिनट में पूरा करके वापस करने का आग्रह किया गया। निर्धारित समय के बाद भरी हुई प्रश्नावलियों को एकत्रित किया गया। शोध कर्ता द्वारा 30 अभिभावकों (विशेषकर माताएं) से साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा जानकारी एकत्र की गई। न्यादर्श में 60 आँगनवाड़ियों में से 20 आँगनवाड़ी केन्द्रों को निरीक्षण हेतु रेंडम्ली चयनित किया गया था। चयनित आँगनवाड़ियों में कार्य समय के दौरान शोधकर्ता ने स्वयं पहुंचकर केन्द्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण कर उन्हें नोट किया।

3.5 विश्लेषण हेतु सांख्यिकी

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा वर्णित प्रत्येक प्रश्नों के अलग-अलग आये उत्तरों की आवृत्ति का योग निकाला गया। इन योगों का प्रतिशत निकाला गया। प्रतिशत निकालने के पश्चात विभिन्न श्रेणियों में आये ऑकड़ों को दिखाने के लिए तालिका का निर्माण किया गया।